प्रेरणा

जिंदगी एक शिक्षक की तरह होती है जो समय-समय पर सबकी परीक्षा लेती है !

सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

जल है तो कल है

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-6 • 20 SEPTEMBER TO 26 SEPTEMBER 2024 • VOLUME 09 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

CONSULTING DESIGN TRAINING

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges &

*Pay Money after the Visa

•IELTS •STUDY ABROAD

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.

*T&C apply

अनुच्छेद-370 की वापसी कभी नहीं होगी : पीएम मोदी

कहा- कांग्रेस को दिया गया हर वोट पीडीपी और एनसी के घोषणापत्र को लागू करेगा

श्रीनगर. कटरा में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साफ तौर पर कहा कि हम जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान के एजेंडे को लागू नहीं होने देंगे। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि दुनिया की कोई भी ताकत जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को वापस नहीं ला सकती। आपको बता दें कि 2019 में केंद्र की मोदी सरकार ने अनुच्छेद 370 को खत्म कर दिया था। हालांकि, राज्य के विपक्षी दल लगातार अनुच्छेद 370 की मांग कर रहे हैं और वह इस मुद्दे को लेकर चुनावी मैदान में भी हैं।

मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस को दिया गया हर वोट पीडीपी और एनसी के घोषणापत्र को लागू करेगा। उन्होंने कहा कि वे धारा 370 को वापस लाना चाहते हैं। इसका मतलब है कि वे घाटी में फिर से खून-खराबा चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में कांग्रेस-एनसी गठबंधन की सराहना हो रही है। पाकिस्तान कांग्रेस-एनसी के घोषणापत्र से बेहद खुश है और उसने खुलकर समर्थन दिया है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री खुलकर कांग्रेस-एनसी गठबंधन के समर्थन में आ गए हैं। उनका कहना है कि उनका एजेंडा पाकिस्तान जैसा ही है। कांग्रेस और एनसी यहां जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान का एजेंडा लागू करना चाहते हैं।

प्रधानमंत्री ने वादा करते हुए कहा कि मां के इस पावन धाम से मैं आपको एक और बात के लिए फिर से आश्वस्त करता हूं। जम्मू-कश्मीर को हम फिर से राज्य बनाएंगे। हमने इसकी घोषणा संसद में ही कर दी थी। उन्होंने कहा कि धारा 370 हटने से जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद और उग्रवाद कमजोर हुआ है। हम अब क्षेत्रीय स्थिरता की ओर आगे बढ़ रहे हैं।' मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि आपके समर्थन से जम्मू-कश्मीर जल्द ही आतंकवाद से मुक्त हो जाएगा।

उन्होंने हुंकार भरते हुए कहा कि मोदी आज कांग्रेस-नेशनल कांफ्रेंस को डंके की चोट पर कह रहा है। हम जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान के एजेंडे को लागू नहीं होने देंगे। दुनिया की कोई ताकत जम्मू-कश्मीर में आर्टिकल 370 की वापसी नहीं करा सकती। उन्होंने कहा कि कांग्रेस-नेशनल कांफ्रेंस को लेकर जम्मू-कश्मीर में भले ही, उत्साह न हो, लेकिन पड़ोसी देश (पाकिस्तान) इन्हें लेकर बहुत उत्साह में है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के डिफेंस मिनिस्टर ने कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस का खुलकर समर्थन किया है। उनका कहना है कि आर्टिकल 370 और 35ए को लेकर कांग्रेस और एनसी का एजेंडा वही है, जो पाकिस्तान का एजेंडा है यानी कांग्रेस-नेशनल कांफ्रेंस की पोल खुद पाकिस्तान ने खोल दी है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस, एनसी और पीडीपी जम्मू-कश्मीर के युवाओं के लिए कभी कुछ नहीं कर सकते।

मेडिकल काउंसिल ने रद्द किया आरजी कर अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल का लाइसेंस

कोलकाता. पश्चिम बंगाल मेडिकल काउंसिल ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल डॉ संदीप घोष का मेडिकल प्रैक्टिशनर पंजीकरण रद्द कर दिया है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज बलात्कार-हत्या मामले के साथ-साथ कॉलेज से संबंधित वित्तीय अनियमितताओं के मामले में उन्हें गिरफ्तार किया गया है।

आरजी कर अस्पताल में कथित वित्तीय अनियमितताओं के सिलसिले में दो सितंबर को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा घोष की गिरफ्तारी के बाद डब्ल्यूबीएमसी ने सात सितंबर को उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करके तीन दिन के भीतर जवाब देने को कहा था कि उनका मेडिकल पंजीकरण रद्द क्यों नहीं किया जाए। घोष ने अधीनस्थ अधिकारियों को शव को जल्द से जल्द मुर्दाघर में भेजने का कथित तौर पर निर्देश दिया। महिला चिकित्सक का शव नौ अगस्त को आर जी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के सेमिनार हॉल से बरामद किया गया था। उसके शरीर पर गंभीर चोटों के निशान थे। इस घटना के अगले दिन कोलकाता पुलिस के एक नागरिक स्वयंसेवक संजय रॉय को सीसीटीवी फुटेज के आधार पर गिरफ्तार किया गया था।

खाद के साथ अन्य उत्पाद बेचने वालों पर होगी कार्रवाई

गन्ना नियंत्रण बोर्ड की बैठक 27 सितंबर को

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

किसानों को खाद के साथ जबरन अन्य कृषि उत्पाद बेचने से रोकने के लिए पंजाब कृषि और किसान कल्याण विभाग ने चार टीमें गठित की हैं। इन टीमों की निगरानी संयुक्त निदेशक स्तर के अधिकारी करेंगे। पंजाब के कृषि और किसान कल्याण मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने आज यहां अपने कार्यालय में माझा किसान संघर्ष समिति के साथ बैठक के बाद इन टीमों के गठन के निर्देश दिए। कृषि मंत्री ने माझा किसान संघर्ष समिति के प्रधान बलविंदर सिंह की अगुवाई वाले प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि पंजाब के पास आगामी रबी सीजन के लिए पर्याप्त मात्रा में डी.ए.पी./एन.पी.के./एस.एस.पी. उपलब्ध है क्योंकि पंजाब को पर्याप्त मात्रा में डी.ए.पी. और अन्य फॉस्फेटिक खाद प्राप्त हो रही हैं। किसानों के प्रतिनिधिमंडल द्वारा अन्य कृषि उत्पादों को जबरन खाद के साथ बेचने के मामले पर गुरमीत सिंह खुड्डियां ने कहा कि अगर कोई व्यक्ति किसानों को खाद के साथ अन्य उत्पाद खरीदने के लिए मजबूर करता है तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

इस दौरान विशेष मुख्य सचिव (कृषि) के.ए.पी. सिन्हा ने बताया कि पिछले महीने, आगामी रबी सीजन के लिए पंजाब के किसानों के लिए खाद की आवश्यक आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय रसायन और उर्वरक मंत्री के साथ उनकी बैठक हुई थी। कृषि मंत्री ने गन्ने की कीमतों में वृद्धि की मांग पर बात करते हुए कहा कि राज्य ने 27 सितंबर को राज्य गन्ना नियंत्रण बोर्ड के साथ बैठक तय की है और सभी मिलें निर्धारित समय पर पीड़ाई शुरू करेंगी।

राहुल पर फिर बरसे बिट्टू, कहा- गांधी परिवार ने पंजाब को जलाया

नई दिल्ली. केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने सिखों पर की गई टिप्पणी को लेकर विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर फिर हमला बोला। बिट्टू ने पिछले हफ्ते गांधी को देश का नंबर एक आतंकवादी कहा था, जिस पर कांग्रेस ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। सबसे पुरानी पार्टी ने बिट्टू पर पलटवार किया और उनसे माफी मांगने को कहा। हालाँकि, मंत्री ने माफी मांगने से साफ तौर पर इनकार कर दिया। एक बयान में बिट्टू ने कहा कि यह कांग्रेस अध्यक्ष हैं जिन्हें स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह गांधी की टिप्पणियों से सहमत हैं। अपनी 4 दिवसीय अमेरिकी यात्रा के दौरान गांधी ने कहा कि भारत में लड़ाई इस बात को लेकर है कि क्या एक सिख को पगड़ी या कड़ा पहनने की अनुमति दी जाएगी या वह गुरुद्वारा जा सकेगा। इसी को लेकर रवनीत सिंह बिट्टू राहुल गांधी पर लगातार हमलावर हैं। बिट्टू ने कहा कि मुझे क्यों माफी मांगनी चाहिए? हमने पंजाब में अपनी पीढ़ियाँ खो दी हैं। गांधी परिवार ने पंजाब को जला दिया। उनकी गलतियों के कारण पंजाब में जो आतंकवाद पैदा हुआ, उसे ठीक करने में 35,000 लोगों की जान चली गई, यहां तक कि मुख्यमंत्री को भी अपनी जान देनी पड़ी।

राहुल गांधी पर दिल्ली व एमपी में बीजेपी ने दर्ज कराई शिकायत

नई दिल्ली. भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को राहुल गांधी की हाल की अमेरिकी यात्रा के दौरान आरक्षण पर की गई टिप्पणी को लेकर उनके खिलाफ दिल्ली में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत पंजाबी बाग, तिलक नगर, पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशनों में दर्ज की गई थी। इसके अलावा एक शिकायत बीजेपी ने राहुल गांधी के खिलाफ मध्य प्रदेश में दर्ज कराई है।

भाजपा अनुसूचित जाति (एससी) इकाई के अध्यक्ष मोहन लाल गिहारा, भाजपा सिख सेल के सदस्य चरणजीत सिंह लवली और पार्टी एसटी विंग के सदस्य सीएल मीना ने कांग्रेस नेता के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। वहीं, मध्य प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री जैसे संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति का लगातार अपमान किया है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र लिखकर कहा है कि राहुल गांधी ने 100 बार पीएम नरेंद्र मोदी का अपमान किया है और उनके खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल भी किया है। राहुल गांधी ने देशद्रोह किया है। उन्होंने दूसरे देशों में भारतीय पीएम का अपमान किया है। वहीं, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ बयान देने पर कांग्रेस नेताओं की शिकायत पर बेंगलुरु में केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई।

50,000 रुपये रिश्वत लेते सहायक टाउन प्लानर विजिलेंस ब्यूरो के हाथों काबू

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने गुरुवार को नगर निगम अमृतसर में तैनात सहायक टाउन प्लानर (एटीपी) हरजिंदर सिंह को 50,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया है। राज्य विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि उक्त आरोपी को साईं किरण निवासी संधू एवेन्यू, बटाला रोड, अमृतसर शहर की शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है।

प्रवक्ता ने आगे बताया कि शिकायतकर्ता ने विजिलेंस ब्यूरो से संपर्क कर आरोप लगाया कि उक्त आरोपी ने कोट खालसा, अमृतसर में बन रही कॉलोनी के लिए एन.ओ.सी. जारी करने के बदले पहले भी 5 लाख रुपये की रिश्वत ली थी। उन्होंने आगे कहा कि इसके बाद, आरोपी ने एन.ओ.सी. से संबंधित शर्तों को पूरा करने के बदले 2 लाख रुपये की और रिश्वत की मांग की। प्रवक्ता ने कहा कि प्राथमिक जांच के बाद विजिलेंस ब्यूरो ने जाल बिछाया और आरोपी को दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में शिकायतकर्ता से 50,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। इस मामले में एटीपी के खिलाफ भ्रष्टाचार रोधी कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अनाज घोटाले के दोषी डिप्टी डायरेक्टर आरके सिंगला का साथी गिरफ्तार

पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने चर्चित अनाज घोटाले के दोषी राकेश सिंगला, पूर्व डिप्टी डायरेक्टर, खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग पंजाब के साथी और बत्रा फार्मास्यूटिकल्स के डिस्ट्रीब्यूटर अनुराग बत्रा को गिरफ्तार किया है, जिस पर सिंगला के काले धन को सफेद करने का आरोप है। उक्त आरोपी को गुरुवार को लुधियाना की अदालत में पेश किया गया जहाँ उसे एक दिन के पुलिस रिमांड पर विजिलेंस ब्यूरो के हवाले किया गया है। ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि पूर्व खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री भारत भूषण आशु और अन्य के खिलाफ एफआईआर विजिलेंस ब्यूरो के थाना लुधियाना रेंज में दर्ज है। जांच के दौरान पता चला कि उक्त डिप्टी डायरेक्टर सिंगला ने अपने और अपनी पत्नी के नाम पर अज्ञात आय के स्रोतों से 12 संपत्तियां खरीदी थीं। बाद में सिंगला को उक्त केस में घोषित भगोड़ा (पी.ओ.) करार दिया गया था।

5000 रुपये रिश्वत लेते पटवारी काबू

राजस्व हल्का जहानपुर, तहसील मुकेरियां, जिला होशियारपुर में तैनात एक मॉल पटवारी जोगिंदर पाल को 5000 रुपये रिश्वत मांगने और लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। राज्य विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि उक्त राजस्व कर्मचारी को होशियारपुर के गांव जहानपुर के निवासी सरूप सिंह द्वारा मुख्यमंत्री भ्रष्टाचार विरोधी एक्शन लाइन पर दर्ज करवाई शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया है। शिकायतकर्ता ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि उक्त पटवारी ने उसकी जायदाद की ज़मीन का इंतकाल दर्ज कराने के बदले तीन अलग-अलग मौकों पर 5000 रुपये की रिश्वत ली है। जांच रिपोर्ट के आधार पर दोष सही पाए गए। उक्त पटवारी के खिलाफ विजिलेंस ब्यूरो के थाना जालंधर रेंज में भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत केस दर्ज किया है। आरोपी पटवारी को कल अदालत में पेश किया जाएगा।

रिश्वत लेने के आरोप में एएसआई पर केस दर्ज

पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने मोहाली जिले के थाना सदर खरड़ में तैनात सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) कर्मवीर सिंह के खिलाफ 15000 रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया है। ब्यूरो के एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि उक्त पुलिस कर्मचारी के खिलाफ यह मामला मलोआ कॉलोनी, चंडीगढ़ के निवासी सुखविंदर सिंह द्वारा मुख्यमंत्री की भ्रष्टाचार विरोधी एक्शन लाइन पर दर्ज की गई शिकायत की जांच के आधार पर दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि उक्त एएसआई ने थाना सदर खरड़ में दर्ज एक मामले में उसके रिश्तेदारों की जमानत कराने के बदले 15,000 रुपये की रिश्वत ली थी और जांच में आरोप सही पाए गए हैं।

आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री सेहत बीमा योजना

स्वास्थ्य मंत्री ने एफएचएएनए के 600 करोड़ बकाये के दावे को किया खारिज

आज एफएचएएनए के साथ बैठक बुलाई व 25 सितंबर को आईएमए के साथ बैठक तय

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने गुरुवार को प्राइवेट अस्पताल और नर्सिंग होम एसोसिएशन (एफ.एच.ए.एन.ए) पंजाब द्वारा आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत विभिन्न उपचारों के लिए राज्य सरकार पर 600 करोड़ रुपए के बकाये के दावों को सख्ती से खारिज किया। उन्होंने इसे "झूठा और भ्रामक" करार दिया। उन्होंने बताया कि सरकारी और निजी अस्पतालों का कुल बकाया 364 करोड़ रुपए है।

अधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, बकाये के विवरण से पता चलता है कि सरकारी अस्पतालों का बकाया 166.67 करोड़ रुपए है, जबकि निजी अस्पतालों का बकाया 197 करोड़ रुपए है। यह स्पष्टीकरण एफ.एच.ए.एन.ए. द्वारा राज्य के सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत सभी उपचारों को बंद करने के एक दिन बाद आया है।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने बताया कि 1 अप्रैल, 2024 से अब तक सरकार ने निजी अस्पतालों को 101.66 करोड़ रुपए और सरकारी अस्पतालों को 112 करोड़ रुपए, कुल मिलाकर 214.30 करोड़ रुपए का भुगतान किया है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य एजेंसी (एन.एच.ए.) द्वारा शुरू किए गए नए सॉफ़्टवेयर के उपयोग के बाद से फरवरी 2024 से दावे की प्रक्रिया में कुछ तकनीकी खामियां उत्पन्न हुई हैं, जिससे दावे की प्रक्रिया धीमी हो गई है। हालांकि, राज्य स्वास्थ्य एजेंसी ने इस समस्या को हल करने के लिए अतिरिक्त स्टाफ की तैनाती और शनिवार, रविवार और छुट्टी के दिनों में भी काम करने जैसे त्वरित उपाय किए हैं।

इस मामले के समाधान के लिए स्वास्थ्य मंत्री ने शुक्रवार को एफ.एच.ए.एन.ए. के प्रतिनिधियों के साथ बैठक बुलाई है। इसके अलावा, भुगतान और राज्य स्वास्थ्य एजेंसी के कामकाज में आ रही समस्याओं को हल करने के लिए 25 सितंबर, 2024 को दोपहर 3:30 बजे इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के साथ भी एक बैठक तय की गई है। डॉ. बलबीर सिंह ने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की 'आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री सेहत बीमा योजना' के तहत नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने और निर्बाध स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को दोहराया।

उल्लेखनीय है कि स्वास्थ्य मंत्री ने पहले ही राज्य स्वास्थ्य एजेंसी को आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री सेहत बीमा योजना के तहत दावों की प्रक्रिया में तेजी लाने और सूचीबद्ध अस्पतालों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए चिकित्सा पेशेवरों की नियुक्ति के संबंध में आदेश दिए हैं।

नशा सप्लायरों से मिलीभगत के आरोप में डीएसपी वविंदर महाजन पर मामला दर्ज

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब पुलिस की एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स (एएनटीएफ) की जांच के बाद सामने आए तथ्यों के आधार पर डीएसपी वविंदर कुमार महाजन के खिलाफ भ्रष्ट गतिविधियों में ड्रग सप्लायर्स की मदद करने के आरोप में केस दर्ज किया गया है। यह जानकारी डीजीपी गौरव यादव ने गुरुवार को दी। भ्रष्टाचार रोधी अधिनियम की धारा 7 और 8 तथा एनडीपीएस अधिनियम की धारा 59 (2) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है, जो किए गए अपराधों की गंभीरता और पद के दुरुपयोग को उजागर करती है।

डीजीपी ने बताया कि एएनटीएफ ने 1.98 करोड़ अल्प्राज़ोलम गोलियां और 40 किलोग्राम कच्ची अल्प्राज़ोलम ज़ब्त करने संबंधी मामले में दर्ज फरवरी 2024 के केस की ताजा जांच के बाद अपने ही रैंक में भ्रष्टाचार के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करते हुए खुलासा किया कि डीएसपी (एएनटीएफ) के पद पर तैनात वविंदर कुमार महाजन और उसका साथी अखिल जय सिंह निवासी लखनऊ, रिश्वतखोरी की एक चौंकाने वाली योजना में शामिल थे। इस समय डीएसपी महाजन 9वीं बटालियन पीएपी, अमृतसर में डीएसपी के रूप में तैनात है।

ट्रेन के फर्स्ट क्लास डिब्बे में मिलती हैं इतनी सारी सुविधाएं, रेल का सफर बन जाएगा यादगार

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

ट्रेन के सफर का अपना मजा और सुकून है और इस सफर को और भी ज्यादा खुशनुमा और सुकून भरा बनाते हैं ट्रेनों में लगे फर्स्ट क्लास डिब्बे। इंडिया में कुछ खास रूट्स की ट्रेनों में ही एसी के फर्स्ट क्लास वाले डिब्बे लगे होते हैं। जिनमे मेट्रोपोलिटन शहर शामिल हैं। इन डिब्बों में इतनी सारी सुविधाएं मिलती हैं कि सफर काफी सुकून भरा और सुरक्षित बन जाता है। इन डिब्बों में अगर आपने अभी तक ट्रैवल नहीं किया है तो इसमे मिलने वाली इन सुविधाओं के बारे में जरूर जान लें।

सफाई के मामले में आगे

एसी के फर्स्ट क्लास डिब्बों में साफ-सफाई बहुत ज्यादा होती है। बैठने की सीट से लेकर टॉयलेट तक बेहद साफ मिलेगी। जिसे आप जब चाहे आराम से इस्तेमाल कर सकते हैं।

प्राइवेसी मिलती है

फर्स्ट क्लास केबिन में आपको प्राइवेसी भी आसानी से मिल जाती है। अगर आप अपने बच्चों या फिर कपल ट्रैवल कर रहे हैं तो इस तरह के डिब्बे सुरक्षा और प्राइवेसी के नजरिए से अच्छे होते हैं। जिससे लंबा सफर भी सुकून से गुजरता है।

खाने-पीने की मुफ्त सुविधा

ट्रेन के फर्स्ट क्लास डिब्बों के टिकट में खाने-पीने की सुविधा का पैसा पहले से ही जुड़ा होता है। इसलिए आपको इसमे पूरे रास्ते मुफ्त में खाने-पीने की चीजें मिलती रहती हैं। और ये खाने-पीने की चीजें भी इतनी ज्यादा होती हैं कि आप पूरे सफर का लुत्फ खा-पीकर ही उठाते हैं। सुबह की चाय और बिस्किट से लेकर पकौड़े, सैंडविच जैसी मनपंसद चीजें भी इनके खाने के मेन्यू में जुड़ी होती हैं। यहां तक कि आपको ब्रेकफास्ट और स्नैक्स में वैराइटी के भी ऑप्शन मिल जाएंगे। इसके अलावा लंच और डिनर भी होता है। जिसमे कंप्लीट मील में कई डिशेज ऐड होती है।

नहीं भूलते डेजर्ट

डिनर के साथ फर्स्ट क्लास डिब्बों में डेजर्ट की भी व्यवस्था होती है। आइसक्रीम से लेकर गुलाब जामुन डेजर्ट में आसानी से मिलते हैं। तो सफर की फीलिंग तो बिल्कुल खास वाली होती है।

कंफर्टेबल होती हैं सीट

इसके अलावा एसी के फर्स्ट क्लास डिब्बों की सीटें बाकी डिब्बों के सीट की तुलना में ज्यादा आरामदायक और सॉफ्ट होती हैं। जो बैठने-लेटने के लिए काफी कंफर्ट देती हैं।

पेट्स को भी ले जा सकते हैं

अगर आपके पास अपना पालतू कुत्ता या बिल्ली है तो इन जानवरों को भी फर्स्ट क्लास डिब्बे में ले जा सकते हैं। लेकिन इसके साथ आपको दूसरे यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखना जरूरी होता है। अगर पेट छोटा है तो उसे किसी टोकरी में रखकर ले जाना अलाउ रहता है।

कैसी होती है सिटिंग अरेंजमेंट

ट्रेन के फर्स्ट क्लास डिब्बे में सिटिंग अरेंजमेंट बाकी डिब्बों से अलग होती है। इसमे दो और चार लोगों के बैठने की व्यवस्था होती है। जिसे कूप कहते हैं। ट्रेन के टिकट में पहले से सीट नंबर नहीं लिखे होते हैं। पहले इन डिब्बों में वीआईपी लोगों को सीट दी जाती है। उसके बाद बाकी लोगों को सीट दी जाती है।

TRAVELLING

ट्रेन के फर्स्ट क्लास एसी कोच में कई सारी एक्स्ट्रा सुविधाएं यात्रियों को मिलती हैं। जिसके बारे में सभी नहीं जानते हैं। जानते हैं क्या मिलती हैं सुविधाएं।

SKIN CARE

इम्यूनिटी के साथ चेहरे का निखार भी बनाए रखते हैं ये 3 फल

अगर आप भी कमजोर इम्यूनिटी और चेहरे के गायब होते निखार से टेंशन में हैं तो परेशानी छोड़कर इन 3 चीजों को अपनी डाइट में आज से ही शामिल करना शुरू कर दीजिए।

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

सेहत और खूबसूरती दो ऐसी चीजें हैं, जिसकी चाहत हर व्यक्ति को होती है। लेकिन बढ़ती उम्र और तनाव भरी जिंदगी की वजह से व्यक्ति के लिए अपनी दोनों ही ख्वाहिशों को पूरा कर पाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। अकसर माना जाता है कि बढ़ती उम्र में चेहरे का निखार गायब होने के साथ सेहत और त्वचा संबंधी कई परेशानियां होने लगी हैं। जिसमें जोड़ों के दर्द से लेकर बालों में सफेदी, डार्क सर्कल, पिंपल और झुर्रियां तक शामिल होती हैं। सेहत और त्वचा से जुड़ी इन समस्याओं की वजह से व्यक्ति का चेहरा बूढ़ा नजर आने लगता है। अगर आप भी कमजोर इम्यूनिटी और चेहरे के गायब होते निखार से टेंशन में हैं तो परेशानी छोड़कर इन 5 चीजों को अपनी डाइट में आज से ही शामिल करना शुरू कर दीजिए। इन 3 फलों को खाने और चेहरे पर लगाने से आपकी परेशानी दूर हो सकती है।

- इम्यूनिटी को मजबूत बनाकर चेहरे का निखार बढ़ाते हैं ये फल
- संतरा

संतरे में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट कैरोटीनॉयड फाइन लाइन और झुर्रियों की समस्या को कम कर सकते हैं। विटामिन सी से भरपूर संतरा एक प्राकृतिक एंटी-एजिंग पोषक तत्व है जो त्वचा की मरम्मत करने के साथ कोलेजन का उत्पादन सुनिश्चित करता है। जिससे त्वचा कोमल और जवां बनी रहती है। इसके अलावा संतरे में मौजूद विटामिन सी इम्यूनिटी को भी मजबूत बनाए रखने का काम करता है।

- त्वचा की रंगत निखारने के लिए ऐसे करें संतरे का यूज

संतरे के छिलके को धूप में सुखाकर बारीक पीस लें। अब इस संतरे के छिलके के पाउडर को हल्दी, गुलाब जल में मिलाकर एक पेस्ट तैयार कर लें। इस पेस्ट को हफ्ते में दो दिन चेहरे पर लगाएं। संतरे के छिलके में क्लीजिंग, एंटी इन्फ्लेमेटरी, एंटी फंगल और एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं जो कि पिंपल्स और एक्ने से लड़ने में भी मदद कर सकते हैं।

- अनार

अनार में विटामिन सी के अलावा, विटामिन के, फोलेट, और पोटैशियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। जो इम्यूनिटी को मजबूत बनाकर संक्रमण से भी बचाव करते हैं। जिससे बदलते मौसम में बीमार पड़ने से बचाव होता है।

- त्वचा पर ऐसे यूज करें अनार के छिलके

अगर अनार खाने के बाद आप उसके छिलके फेंक देते हैं तो अगली बार ऐसा ना करें। अनार के छिलकों को संतरे के छिलकों की ही तरह धूप में सुखाकर पाउडर बना लें। इस पाउडर में नींबू का रस और एक चम्मच शहद मिलाकर फेस पैक तैयार करके 15 मिनट तक चेहरे पर लगा रहने दें। थोड़ी देर बाद चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें। चेहरे की झाइयों और झुर्रियों को दूर करने के लिए इस पैक को हफ्ते में 2 बार लगाएं।

- सेब

सेब में मौजूद विटामिन सी कीटाणुओं से लड़कर व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाता है। बता दें, 100 ग्राम कच्चे सेब में लगभग 4.6 मिलीग्राम विटामिन सी मौजूद होता है। इसमें मौजूद आयरन की अधिकता शरीर में खून की कमी नहीं होने देती है। इतना ही नहीं सेब में मौजूद फाइबर पाचन को स्वस्थ रखने में भी मदद करता है।

- ग्लोइंग स्किन पाने के लिए कैसे करें सेब का यूज

सेब खाने के बाद आप उसका छिलका त्वचा पर निखार लाने के लिए भी यूज कर सकते हैं। सेब के इस उपाय को करने के लिए सेब के कुछ छिलकों को पानी में उबालकर छान लें। अब इस पानी से चेहरे को धोएं। सेब में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट तत्व त्वचा को सन डैमेज से बचाकर निखार बनाए रखते हैं।

डिस्क्लेमर : *यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।*

चिपचिपा और बदबूदार हो गया है किचन टॉवल, इस तरह क्लीन करे

अगर आप भी किचन के इन कपड़ों को साफ करते-करते थक जाती हैं तो ये आसान किचन टिप्स आपकी मुश्किल को आसान बना सकते हैं। इन किचन टिप्स की मदद से आप कुछ ही मिनटों में किचन टॉवल और डस्टर को साफ करके चमका सकती हैं।

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

महिलाएं स्वाद और सेहत का ख्याल रखने वाली रसोई को साफ-सुथरा रखना बेहद पसंद करती हैं। अपनी किचन को साफ रखने के लिए उन्हें कई तरह के कपड़ों की जरूरत पड़ती है।

जैसे खाना बनाने के दौरान हाथ साफ करने के लिए तौलिया और स्लैब और गैस साफ करने के लिए डस्टर। किचन में यूज होने वाले ये कपड़े एक-दो बार के इस्तेमाल के बाद ही गंदे होकर चिपचिपे होने लग जाते हैं। जिनसे गंदगी और बदबू हटाना कई बार मुश्किल लगने लगता है। अगर आप भी किचन के इन कपड़ों को साफ करते-करते थक जाती हैं तो ये आसान किचन टिप्स आपकी मुश्किल को आसान बना सकते हैं। इन किचन टिप्स की मदद से आप कुछ ही मिनटों में किचन टॉवल और डस्टर को साफ करके चमका सकती हैं।

- शैंपू

किचन के कपड़ों को साफ करने के लिए एक बाल्टी में पानी और शैंपू डालकर अच्छी तरह मिला लें। इसके बाद इन कपड़ों को बाल्टी में एक घंटे के लिए डालकर छोड़ दें। एक घंटे बाद कपड़ों को ब्रश की मदद से साफ करके नॉर्मल पानी से धो लें।

- स्टेन क्लीनर

किचन के कपड़ों पर लगे हल्दी और अन्य मसालों के दाग को साफ करने के लिए आप किचन के कपड़ों को स्टेन क्लीनर में 15 मिनट के लिए डालकर छोड़ दें। 15 मिनट बाद कपड़ों को साफ पानी से धोकर धूप में सूखने के लिए डाल दें।

- सिरका

साफ-सफाई के लिए घरों में सिरके का इस्तेमाल कई तरह से होता है। किचन के कपड़ों को भी साफ करने के लिए आप सिरके का यूज कर सकते हैं। इस उपाय को करने के लिए आप बाल्टी में कुछ देर पानी भरकर उसमें 1 ढक्कन सिरका और डिटर्जेंट मिलाकर कपड़ों पर लगे जिद्दी दाग और बदबू को हटाने के लिए उसमें कपड़ों को डाल दें।

बार-बार मना करने के बाद भी बच्चा बात नहीं मानता तो करें ये काम

बच्चा आपके बार-बार मना करने के बाद भी शरारत बंद नहीं करता है और हर बात को इग्नोर कर देता है तो उसे इन तरीकों से समझाएं।

Parenting

जालंधर ब्रीज (फीचर) . पैरेंट्स की शिकायत रहती है कि उनका दो से तीन साल का हो रहा बच्चा उनकी बात नहीं मानता। जिसकी वजह से वो कई बार बच्चे को पीट देते हैं या फिर डांटते हैं। लेकिन लाख कोशिशों के बाद भी बच्चे की आदत में सुधार नहीं हो रहा और वो आपकी बात आसानी से नहीं मानता है, तो अपनी पैरेंटिंग में इन चीजों को सुधारें। फिर देखें कैसे बच्चा आपकी सारी बातों को सुनने और समझने लगेगा।

- हर बार ना करें मना

छोटे बच्चे दिनभर कुछ ना कुछ शरारत करते रहते हैं और दिनभर उसे मना करती रहती हैं। जिसकी वजह से बच्चों की आदत पड़ जाती है आपको इग्नोर करने की। इसलिए हर बात पर उसे टोकने और मना करने की आदत को कम करें। इससे जब आप दिनभर में केवल एक बार किसी काम को करने के लिए मना करेंगी, तो बच्चा आपकी बात जरूर सुनेगा और समझेगा।

- बताएं उसे क्या करना है

बच्चे को हर वक्त ये कहना कि क्या ना करें, इससे बच्चे कन्फ्यूज हो जाते हैं। इससे अच्छा होगा कि आप उन्हें बताएं कि क्या करना है। इससे बच्चों को सही गाइडेंस मिलेगी। दो से तीन साल का बच्चा कैसे समझेगा कि उसे क्या करना है। आपको बताना होगा कि आखिर वो क्या करें। इससे बच्चों में कॉन्फिडेंस डेवलप होता है और साथ ही मां के साथ बॉन्डिंग भी होती है। बच्चे जब शरारत कर रहे हों तो उसे रोकने की बजाय दूसरे ऑप्शन दें। जैसे बच्चा अगर बार-बार मना करने के बाद भी दीवार पर कलर चला देता हैं। तो उसे मना करने के बजाय बताएं कि वो दीवार की जगह अपनी ड्राईंग बुक पर कलर करे। इससे बच्चे को क्लियर मैसेज जाएगा और उसे समझ आएगा कि क्या, कैसे और क्यों करना है।

डिस्क्लेमर : *यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।*

फैटी लीवर की समस्या से परेशान है तो मिल्क थीस्ल हर्ब को जरूर करें डाइट में शामिल, इसके फायदे

HEALTH

मिल्क थीसल एक तरह की औषधि है। जिसकी चाय पीने से लिवर से जुड़ी कई तरह की बीमारियों को दूर करने में मदद मिलती है। जानें मिल्क थीस्ल से होने वाले फायदे।

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

मिल्क थीसल एक तरह का पौधा है जिसमे कांटे लगे होते हैं। इस पौधे में सिलीमारिन कंपाउंड होता है, जो सेहत को कई तरह से फायदा पहुंचाता है। सिलीमारिन कंपाउड में एंटीऑक्सीडेंट, एंटी वायरल और एंटी इंफ्लामेटरी प्रॉपर्टीज पाए जाते हैं। इस हर्ब का इस्तेमाल लिवर और गालब्लैडर की समस्याओं में किया जाता है। मिल्क थीस्ल से बनी चाय को पीने से कई तरह की बीमारियों में आराम मिलता है।

- लिवर के लिए फायदेमंद औषधि

लिवर डैमेज होने की किसी भी समस्या में मिल्क थीस्ल टी पीना फायदेमंद होता है। एल्कोहलिक लिवर डिसीज, नॉन एल्कोहलिक फैटी लिवर, हेपेटाइटिस और यहां तक कि लिवर कैंसर में भी इस हर्ब को पीने से फायदा होता है। फ्री रेडिकल्स की वजह से डैमेज हो रहे लिवर को बचाने का काम भी मिल्क थीस्ल टी करती है। अगर लिवर की समस्याओं से परेशान हैं तो इस टी की पीने से फायदा हो सकता है।

- बढ़ती उम्र में दिमाग को कमजोर होने से बचाता है

अल्जाइमर और पार्किंसन जैसी दिमाग की बीमारियों में मिल्क थीस्ल का इस्तेमाल पुराने समय से होता आ रहा है। एंटी इंफ्लामेटरी और एंटीऑक्सीडेंट प्रॉपर्टीज से भरपूर मिल्क थीस्ल न्यूरोप्रोटेक्टिव होती है और ब्रेन फंक्शन को कम होने से रोकती है।

- हड्डियों के लिए भी फायदेमंद है मिल्क थीस्ल

उम्र बढ़ने के साथ ही हड्डियां कमजोर होने लगती है और जरा सी चोट से हड्डी में फ्रैक्चर आ जाता है। मिल्क थीस्ल पर हुई रिसर्च में पता चला है कि ये बोन मिनरलाइजेशन को रोकता है और हड्डियों को नुकसान होने से बचाता है। खासतौर पर मेनोपॉज के बाद महिलाओं में हो रहे हड्डियों की कमजोरी की समस्या को दूर करता है।

- कैंसर ट्रीटमेंट में करता है मदद

2023 में हुई स्टडी में पता चला है कि सिलीमारिन का एंटीऑक्सीडेंट इफेक्ट ट्यूमर एक्टीविटी को घटाता है। और कीमोथेरेपी की वजह से हेल्दी सेल्स को हो रहे नुकसान को रोकता है। कैंसर ट्रीटमेंट की वजह से होने वाले नुकसान को मिल्क थीसल रोकने में मदद करता है।

- एक्ने का ट्रीटमेंट है मिल्क थीस्ल

ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस की वजह से एक्ने निकलते हैं। जिसमे मिल्क थीस्ल टी पीना फायदेमंद है। एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटीइंफ्लामेटरी गुणों की वजह से मिल्क थीस्ल एक्ने के लिए बढ़िया सप्लीमेंट है।

- डायबिटीज में बढ़े ब्लड शुगर लेवल को कम करता है

टाइप 2 डायबिटीज में मिल्क थीसल टी पीना फायदेमंद है। इसमे मौजूद कंपाउंड इंसुलिन सेंसिटिविटी को इंप्रूव करने और ब्लड शुगर लेवल को कम करने में मदद करते हैं।

नोट : *इस खबर में बताए गए सुझाव सामान्य जानकारी पर आधारित हैं। इसलिए किसी भी उपचार/दवा/डाइट को अमल करने से पहले डाक्टर या संबंधित एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।*

पीएम विश्वकर्मा योजना एक समग्र योजना

जालंधर ब्रीज

शोभा करंदलाजे
(लेखिका सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय और श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की राज्य मंत्री हैं)

भारत पारंपरिक कला और शिल्प के विभिन्न प्रतिरूपों का देश रहा है। ये कला और शिल्प न केवल हमारी गौरवशाली विरासत का हिस्सा रहे हैं, बल्कि ये बड़ी संख्या में लोगों के लिए जुड़ाव और रोजगार सृजन में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। मिट्टी के बर्तन बनाने, नाव बनाने, जूते बनाने जैसे व्यवसायों में कार्यरत कारीगर और शिल्पकार अपने आस-पास के लोगों के जीवन से जुड़े होते हैं और ग्रामीण भारत की अर्थव्यवस्था में उनका योगदान महत्वपूर्ण होता है। इनमें से ज़्यादातर कारीगर और शिल्पकार अनौपचारिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा रहे हैं तथा वे अपने हाथों और औज़ारों से काम करते हैं।

इस पृष्ठभूमि में, माननीय प्रधानमंत्री ने 17.09.2023 को विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर पीएम विश्वकर्मा योजना का शुभारंभ किया था, ताकि विभिन्न सकारात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से इन कारीगरों और शिल्पकारों, जिन्हें विश्वकर्मा के नाम से जाना जाता है, के जीवन में बदलाव लाया जा सके।

पीएम विश्वकर्मा योजना एक समग्र योजना है, जो कारीगरों और शिल्पकारों को प्रारंभ से अंत तक सहायता प्रदान करती है। इस योजना के अंतर्गत शामिल पारंपरिक व्यवसाय हैं: बढ़ई (सुथार/बधाई), नाव निर्माता, कवच निर्माता, लोहार, हथौड़ा और औजार निर्माता, ताला निर्माता, सुनार (सोनार), कुम्हार, मूर्तिकार (पत्थर तराशने वाले), पत्थर तोड़ने वाले, मोची (चर्मकार/जूते बनाने वाले), राजमिस्त्री, टोकरी/चटाई/झाड़ू निर्माता/कॉयर बुनकर, गुड़िया और खिलौना निर्माता (पारंपरिक), नाई, माला निर्माता (मालाकार), धोबी, दर्जी और मछली पकड़ने के जाल निर्माता इत्यादि।

यह योजना "संपूर्ण सरकार" दृष्टिकोण पर आधारित है। भारत सरकार के तीन मंत्रालयों अर्थात् सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय और वित्तीय सेवा विभाग द्वारा इस योजना को सह-कार्यान्वित किया जा रहा है। इन मंत्रालयों और राज्य सरकारों के बीच निरंतर समन्वय और रचनात्मक सहयोग होते हैं, जो इसे देश में अब तक शुरू की गई और कार्यान्वित की गई सबसे अनूठी योजनाओं में से एक बनाता है। योजना के लाभार्थियों की त्रिस्तरीय सत्यापन प्रक्रिया में राज्य सरकारें बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

योजना को लेकर लोगों की प्रतिक्रिया बेहद सकारात्मक रही है। जब 2023 में योजना शुरू की गई थी, तो उम्मीद थी कि पांच साल की अवधि में 30 लाख लाभार्थी इससे जुड़ जाएंगे। यह देखकर खुशी होती है कि 11 महीनों के भीतर 2.36 करोड़ नामांकन हो चुके हैं और इनमें से 17.16 लाख लाभार्थियों ने तीन-चरणीय सत्यापन प्रक्रिया के बाद सफलतापूर्वक पंजीकरण कराया है।

कर्नाटक में कई विश्वकर्मा समुदाय हैं, जिनकी अपनी अनूठी रचनात्मकता और क्षमता है। ये समुदाय पत्थर की नक्काशी, लकड़ी का काम, चंदन की नक्काशी, बिदरी का काम जैसा धातु का काम, गुड़िया और खिलौने बनाना आदि विभिन्न कला रूपों में काम कर रहे हैं। कर्नाटक राज्य में पीएम विश्वकर्मा योजना के लिए बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। कर्नाटक में अब तक 28.99 लाख नामांकन हो चुके हैं। इनमें से 3.93 लाख लाभार्थियों ने सफलतापूर्वक पंजीकरण कराया है। लगभग 2 लाख लाभार्थियों ने अपना कौशल प्रशिक्षण पूरा कर लिया है और 35,000 से अधिक लाभार्थियों के लिए 1 लाख रुपये तक के ऋण स्वीकृत किये गए हैं। कुल मिलाकर, इन लाभार्थियों को ऋण के रूप में 305.08 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। इस योजना में इन व्यवसायों में लगे विश्वकर्माओं को 'सम्मान' देने, उनके 'सामर्थ्य' को उन्नत करने और उनमें 'समृद्धि' लाने पर जोर दिया गया है। लाभार्थियों को पंजीकृत होने के बाद पीएम विश्वकर्मा प्रमाण पत्र और पहचान पत्र देकर 'सम्मान' दिया जाता है।

'सामर्थ्य' निर्माण के लिए, इस योजना में कारीगरों और शिल्पकारों के कौशल उन्नयन की परिकल्पना की गई है। लाभार्थियों को संबंधित कारीगरी और शिल्पकारी के मास्टर प्रशिक्षकों द्वारा 6 दिनों का उच्च गुणवत्ता युक्त प्रशिक्षण दिया जाता है। लाभार्थियों को पारिश्रमिक मुआवजे के रूप में प्रतिदिन 500 रुपये का वजीफा और 1,000 रुपये का यात्रा भत्ता दिया जाता है। इसके अलावा, प्रशिक्षण के दौरान लाभार्थियों के लिए भोजन और आवास की सुविधा पूरी तरह से सरकार द्वारा वित्त पोषित है और निःशुल्क प्रदान की जाती है। 'सामर्थ्य' का एक अन्य पहलू कारीगरों और शिल्पकारों को अपने संबंधित कार्य-क्षेत्र में आधुनिक और नवीनतम उपकरणों का उपयोग करने में सक्षम बनाने के लिए 15,000 रुपये तक का टूलकिट प्रोत्साहन दिया जाता है। एमएसएमई मंत्रालय ने डाक विभाग के साथ सहयोग स्थापित किया है, जो देश भर में फैले अपने नेटवर्क के माध्यम से यह सुनिश्चित करेगा कि लाभार्थियों को उनके घरों पर ही टूलकिट सौंपे जाएं।

किफायती ऋण और व्यापक बाजारों तक पहुंच प्रदान करने के जरिये लाभार्थियों की 'समृद्धि' की परिकल्पना की गई है। इस योजना के तहत 5% की रियायती ब्याज दर पर 1 लाख रुपये और 2 लाख रुपये की दो किस्तों में 3 लाख रुपये तक के गिरवी-मुक्त ऋण उपलब्ध कराए जाते हैं। लाभार्थियों से कोई गारंटी शुल्क नहीं लिया जाता है। इसके अलावा, यह योजना लाभार्थियों को डिजिटल लेनदेन अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है और हर बार डिजिटल लेनदेन करने पर कैशबैक दिया जाता है। हर महीने, प्रत्येक डिजिटल भुगतान या रसीद के लिए लाभार्थी के खाते में अधिकतम 100 लेनदेन तक प्रति डिजिटल लेनदेन 1 रुपये जमा किया जाता है। इस योजना का एक हिस्सा है - घरेलू और अंतरराष्ट्रीय, दोनों बाजारों में इन कारीगरों के उत्पादों और सेवाओं को बढ़ावा देने की विपणन रणनीति। इसमें गुणवत्ता प्रमाणन, ब्रांडिंग, विज्ञापन, प्रचार और अन्य विपणन गतिविधियां शामिल हैं, जिनका उद्देश्य मूल्य श्रृंखलाओं के साथ उनके संबंधों का विस्तार करना है। योजना के विपणन घटक के तहत जीईएम, ओएमडीसी जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर शामिल होने और गुणवत्ता प्रमाणन प्राप्त करने आदि को प्रोत्साहित किया जाता है।

यह योजना पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों को अपने स्वयं के उद्यम स्थापित करने के लिए सक्षम बनाकर एक नए भारत के निर्माण में सहायक बनने के लिए तैयार है। यह भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने वालों का समर्थन करने के लिए सरकार द्वारा किया गया एक सराहनीय प्रयास है और राष्ट्र हमारे आर्थिक परिदृश्य में विश्वकर्माओं के उत्थान को देखने के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है।

सीपीडब्ल्यूडी जेई एसोसिएशन द्वारा केन्द्रीय सदन में रक्तदान शिविर आयोजित शिविर में 182 यूनिट रक्त एकत्र

• **जालंधर ब्रीज** . चंडीगढ़

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, इंजीनियर्स एसोसिएशन इंडिया, चंडीगढ शाखा द्वारा केन्द्रीय सदन, सैक्टर 9ए, चंडीगढ में 28वां रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में पीजीआई चंडीगढ के डा. दिवजोत सिंह लांभा की टीम ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, चंडीगढ के मुख्य अभियन्ता राजीव शर्मा ने शिविर का उदघाटन किया। इस मौके पर भारत रत्न से सम्मानित सर एम. विश्वेश्वरैया को याद किया गया और श्रद्धांजलि दी गई। इंजीनियर्स एसोसिएशन इंडिया, चंडीगढ के अध्यक्ष रोहित कुमार ने बताया कि रक्तदान करने से आप ना केवल किसी की जिन्दगी बचा सकते हैं, बल्कि रक्तदान करने से आप खुद को भी स्वस्थ रख सकते हैं। सचिव तृप्ति रंजन व केतन चौधरी ने सभी रक्तदाताओं और डाक्टरों की टीम का धन्यवाद करते हुए कहा कि इस रक्तदान शिविर में सीपीडब्ल्यूडी, केन्द्रीय सदन और आसपास के भवनों के विभिन्न विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि शिविर में पिछले वर्ष 177 यूनिट के मुकाबले इस वर्ष 182 यूनिट रक्त एकत्र किया गया।

'10 साल काम किया फिर भी...' सैलरी ना बढ़ने से तंग आकर प्रोफेसर को देना पड़ा इस्तीफा

बेंगलुरु के 37 साल के एक प्रोफेसर ने सैलरी ना बढ़ने से खफा हो कर इस्तीफा दे दिया। इतना ही नहीं उसके बाद उन्हें तब और हैरानी हुई जब इसके बाद भी कॉलेज में किसी ने उन्हें रोकने की कोशिश नहीं की।

• **जालंधर ब्रीज** . बेंगलुरु

सोशल मीडिया पर आए दिन से नौकरी से इस्तीफा देने के अलग तरीके और वजहें वायरल होते रहते हैं। अब इसी ट्रेंड में एक प्रोफेसर ने रेडिट पर घोषणा की है कि उसने नौकरी से इस्तीफा देने का फैसला किया है। प्रोफेसर ने इसकी वजह भी बताई है। 37 वर्षीय असिस्टेंट प्रोफेसर ने हाल ही में बेंगलुरु के एक इंजीनियरिंग कॉलेज में अपने खराब अनुभव के बारे में बताया। लिंक्डइन पर प्रोफेसर ने दावा किया कि संस्थान को 10 साल देने और अपने छात्रों से हमेशा पॉजिटिव फीडबैक मिलने के बावजूद संस्थान ने आज तक उनकी सैलरी नहीं बढ़ाई।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रेडिट पर एक पोस्ट कर प्रोफेसर ने अपनी आपबीती सुनाई। उन्होंने लिखा, "मैंने सबकुछ किया और मुझे जो भी काम दिया गया। मैंने कभी किसी काम के लिए ना नहीं कहा।" किसी से कोई सहानुभूति ना मिलने के बाद प्रोफेसर ने कहा कि उन्होंने नौकरी से इस्तीफा दे दिया लेकिन उन्हें तब और हैरानी हुई जब कॉलेज में किसी ने उन्हें रोकने की कोशिश भी नहीं की।

प्रोफेसर ने अपने पोस्ट में लिखा, " हेलो बेंगलुरू। मैं पूर्वी बेंगलुरु के एक इंजीनियरिंग कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर के तौर पर काम कर रहा था। मैं पिछले 10 सालों से यहां था। 2019 तक सब कुछ ठीक था। 2019 में जो नए प्रिंसिपल आए उन्होंने हमारे कॉलेज की 3 ब्रांच बंद कर दीं। मैंने सब कुछ किया और मैंने कभी किसी काम के लिए मना नहीं किया लेकिन उन्होंने कभी मेरी सैलरी बढ़ाने के मेरी बात नहीं मानी। स्टूडेंट्स मेरे पढ़ाने से खुश थे। मुझे अपने छात्रों से लगातार बेहतरीन प्रतिक्रिया मिली। मैं हैकथॉन और दूसरे प्रतियोगिताओं में छात्रों की मदद करता था। कई बार मैंने कई इसके लिए अपनी जेब से पैसे भरें। एनबीए और एनएएसी की चेकिंग के दौरान मैं रात को 8-9 बजे तक रहता था। हम रविवार को

भी काम करते थे।"

उन्होंने यह भी दावा किया कि जूनियर शिक्षकों को उनसे अधिक वेतन मिल रहा था। उन्होंने लिखा, "मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा था। मैं समझ नहीं पा रहा था कि मैं क्या गलती कर रहा हूं। पूरा कॉलेज जानता था कि मैं क्या कर रहा हूं लेकिन हमारे प्रिंसिपल इसे मानने के लिए तैयार नहीं थे।" प्रोफेसर ने आगे कहा कि उन्होंने इस्तीफा देने से पहले कॉलेज के प्रिंसिपल से बात की लेकिन मेरी बात नहीं सुनी गई। मैं इस व्यवस्था से तंग आ गया था और हाल ही में मैंने इस्तीफा दे दिया। किसी ने नहीं पूछा कि मैं इस्तीफा क्यों दे रहा हूं और किसी ने मुझे रुकने के लिए भी नहीं कहा।" इतना ही नहीं प्रोफेसर ने आरोप लगाया कि सैलरी स्ट्रक्चर में अचानक बदलाव के बाद उन्हें कोई ईपीएफ (कर्मचारी भविष्य निधि) भी नहीं दिया गया।

प्रोफेसर ने यह पोस्ट एक दिन पहले ही शेयर की थी। तब से इसे 1,000 से ज़्यादा लाइक मिल चुके हैं। पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए एक यूजर ने लिखा, "ईपीएफ का भुगतान न करना गैरकानूनी है। उन पर मुकदमा चलाने का कोई तरीका खोजें।" वहीं एक अन्य यूजर ने कहा, "शिक्षा क्षेत्र के सभी स्तरों पर शिक्षकों को बहुत ज़्यादा काम करना पड़ता है और उन्हें बहुत कम या कोई मुआवज़ा नहीं मिलता। सच्चाई यह है कि हमें कभी भी हटा दिया जा सकता है संस्थानों को आपके शिक्षण की गुणवत्ता की परवाह नहीं है। उन्हें पता है कि वे आपको सस्ते विकल्प से बदल सकते हैं।"

पश्चिमी कमान ने 78वां स्थापना दिवस मनाया

• **जालंधर ब्रीज** . चंडीगढ़

भारतीय सेना की पश्चिमी कमान ने 15 सितंबर, 2024 को अपना 78वां स्थापना दिवस मनाया। स्थापना दिवस मनाने के लिए, लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार, जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, पश्चिमी कमान और पूर्व सेना कमांडरों ने वीर स्मृति युद्ध स्मारक,चंडीमंदिर पर पुष्पांजलि अर्पित करके सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर, पश्चिमी कमान के सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल कटियार ने पश्चिमी कमान के सभी रैंकों और परिवारों को अपनी शुभकामनाएं देते हुए नाम, नमक, निशान के मूल्यों को बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि पश्चिमी कमान अपने पश्चिमी मोर्चे की सुरक्षा करने और भविष्य के किसी भी संघर्ष में निर्णायक जीत हासिल करने के संकल्प के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आगे कहा कि एक जिम्मेदार संगठन के रूप में, कमांड राष्ट्र निर्माण में अपने योगदान के साथ सशक्त भारत के सपने को साकार करने में भी सक्रिय रूप से भागीदारी निभा रही है। शहीद सैनिकों के निस्वार्थ कार्य इस तथ्य के प्रमाण हैं कि भारतीय सेना की पश्चिमी कमान राष्ट्रीय संप्रभुता की रक्षा करने और राष्ट्रीय कल्याण में योगदान देने में एक दृढ़ स्तंभ रही है।

कमान की स्थापना 15 सितंबर, 1947 को प्रतिकूल परिस्थितियों में भारत और पाकिस्तान के दो नए राष्ट्रों में मानव आबादी के सबसे महत्वपूर्ण और हृदयविदारक स्थानांतरण में से एक के अवसर पर की गई थी। दिल्ली और पूर्वी पंजाब कमान का मुख्यालय दिल्ली में स्थापित किया गया और इसे दिल्ली और पूर्वी पंजाब क्षेत्रों की रक्षा के लिए जिम्मेदार बनाया गया। विभाजन के दौरान स्थिति को देखते हुए, एक ट्रेन में एक मोबाइल मुख्यालय रखने का निर्णय लिया गया, जो अच्छी तरह से संरक्षित है और अब चंडीमंदिर में एक संग्रहालय में खड़ा है।

20 जनवरी, 1948 को कमांड का नाम बदलकर पश्चिमी कमांड कर दिया गया और यह जम्मू-कश्मीर में ऑपरेशन को नियंत्रित करने के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार था। उत्तरी कमान के गठन से पहले, पश्चिमी कमान पश्चिमी सीमाओं के अलावा जम्मू और कश्मीर और हिमाचल प्रदेश की संपूर्ण उत्तरी सीमाओं के लिए जिम्मेदार थी। पश्चिमी कमान ने भारतीय क्षेत्र में सभी आक्रमणों को रोक दिया है और भारत के लिए निर्णायक जीत सुनिश्चित की है। यही कारण है कि इसे 'भारत के हृदय स्थल के संरक्षक' के रूप में जाना जाता है और यह गर्व के साथ 'एवर वेस्टवर्ड्स' के अपने आदर्श वाक्य को आगे बढ़ाता है। अपनी वीरता और परम बलिदान से भरी यात्रा के दौरान, कमान के बहादुरों ने 11 परमवीर चक्र, 01 अशोक चक्र और 143 महावीर चक्र अर्जित किए हैं।

कमान के समृद्ध इतिहास पर दृष्टि डालने के साथ साथ यहां भविष्य को भी सुनिश्चित करने के लिए आधुनिकीकरण के प्रयास चल रहे हैं ताकि रक्षा बल वर्तमान और उभरती चुनौतियों का सामना करने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित रहे। नई प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाने, प्रशिक्षण मानकों को बढ़ाने और अन्य हथियारों और सेवाओं के साथ तालमेल हासिल करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

पश्चिमी कमान के स्थापना दिवस के इस महत्वपूर्ण अवसर पर, ग्यारह पूर्व सेना कमांडर एक उपस्थित रहे और वर्तमान पदानुक्रम के साथ अपने ज्ञान को साझा किया और विचारों का आदान-प्रदान किया। उन सभी ने अपना दृष्टिकोण साझा किया और आगे की चुनौतियों के लिए सुझाव और सिफारिशें तैयार कीं। सैनिकों और कर्मचारियों के साथ बातचीत के दौरान, पिछले सेना कमांडरों ने अपने पुराने संबंधों को मजबूत किया।

कनाडा अब विदेशी छात्रों की संख्या में करेगा कटौती, भारतीयों पर होगा सीधा असर

कनाडा ने घोषणा की है वह 2025 में विदेशी छात्रों की संख्या में कटौती करेगा। सरकार के मुताबिक यह संख्या पिछले साल के मुताबिक दस प्रतिशत कम हो जायेगी।

• **जालंधर ब्रीज** . वर्ल्ड न्यूज

देश में अस्थायी प्रवासियों को बढ़ती संख्या को देखते हुए राजनीतिक चुनौतियों का सामना कर रही कनाडा सरकार ने बुधवार को बड़ी घोषणा की है। कनाडा ने कहा है कि वह 2025 में विदेशी छात्रों की संख्या में और कटौती करेगा। इसके बाद दूसरे देशों से यहां पढ़ने आने वालों की संख्या इस साल के मुकाबले 10 प्रतिशत कम हो जाएगी। एक प्रेस रिलीज में इमिग्रेशन, रिफ्यूजीज एंड सिटिजनशिप कनाडा (IRCC) ने कहा कि पढ़ने की परमिट जारी करने की सीमा इस साल के लिए 4,85,000 के लक्ष्य से कम होकर 4,37,000 होगी। 2025 के यह प्रतिबंध 2026 के लिए भी लागू होंगे। कनाडा की सरकार ने अस्थायी विदेशी मजदूरों और शरणार्थी सहित दूसरे श्रेणियों में भी प्रतिबंधों की घोषणा की है।

कनाडा में बढ़ती मंहगाई, घर की बढ़ती कीमतों और स्वास्थ्य और परिवहन जैसी बुनियादी जरूरतों पर दबाव के लिए बाहर से आए लोगों को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। इसके बाद यह नए प्रतिबंध लगाए गए हैं। कनाडा के इमिग्रेशन, रिफ्यूजी और सिटिजनशिप संबंधित मंत्री मार्क मिलर ने इन नियमों पर बात करते हुए कहा, "सच ये है कि हर कोई जो कनाडा आना चाहता है जरूरी नहीं कि वह आ पाएगा, ठीक उसी तरह जैसे हर कोई जो कनाडा में रहना चाहता है वह नहीं रह सकता। हम अपने अस्थायी निवास योजना को मजबूत करने और आज के बदलते परिदृश्य की मांगों को पूरा करने के लिए यह कदम उठा रहे हैं।"

भारतीयों पर असर : इस फैसले का असर भारतीयों पर सबसे ज्यादा पड़ने की उम्मीद है। छात्रों की बात करे तो भारत सरकार के आंकड़ों के मुताबिक 2022 में कनाडा में 1,83,310 भारतीय पढ़ रहे थे। साल 2022 में कनाडा में कुल 5 लाख अंतरराष्ट्रीय छात्र आए थे। इनमें से 2,26,450 छात्र भारत से थे यानी कुल अंतरराष्ट्रीय छात्रों में भारतीयों का हिस्सा लगभग 41% था। साल 2023 में करीब 9 लाख अंतरराष्ट्रीय छात्र कनाडा में पढ़ाई कर रहे थे जिनमें से लगभग 40 फ़ीसदी भारतीय थे।

कनाडा के लोग करेंगे समर्थन : यह घोषणा कनाडाई उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए अच्छी खबर नहीं है। ग्लोबल न्यूज़ ने इस महीने की शुरुआत में बताया कि उद्योग समूह और यूनिवर्सिटीज़ कनाडा ने सितंबर में शुरू होने वाले नए सत्र के लिए देश में आने वाले विदेशी छात्रों की संख्या में 45 प्रतिशत की गिरावट की भविष्यवाणी की है। वहीं एजेंसी एंगस रीड इंस्टीट्यूट द्वारा हाल ही में किए गए सर्वे से यह बात सामने आई है कि सर्वे में शामिल लोगों में से लगभग आधे यानी 48 प्रतिशत लोगों का मानना है कि यह एक अच्छा कदम होगा अगर कनाडा प्रवासियों के लिए अपनी सीमाएं बंद कर दे।"

नतीजे इस साल के आखिर में हो जाएंगे साफ : इन फैसलों का फिलहाल कोई असर नहीं दिख रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस साल जनवरी से जून के बीच जारी किए गए स्टडी परमिटों की संख्या 2023 के लिए 2,38,640 से बढ़कर 2,46,580 हो गई। भारत की बात करे तो यह संख्या छह महीने की अवधि के लिए 96,080 से बढ़कर 1,00,355 हो गई। ट्रूडो सरकार द्वारा इमिग्रेशन नीति तैयार करने से पहले, 2015 में जारी किए गए कुल स्टडी परमिट 2,19,035 थे और भारतीयों की संख्या केवल 31,920 थी। कनाडाई अधिकारियों ने कहा है कि नए फैसले के नतीजे इस साल के आखिर में साफ हो जाएंगे।

क्या है इजरायल की यूनिट 8200, जिसने करा दिए पेजर और वॉकी-टॉकी में धमाके

• **जालंधर ब्रीज** . वर्ल्ड न्यूज

लेबनान में पेजर अटैक और वॉकी-टॉकी में विस्फोट कराकर हलचल मचाने वाले इजरायल ने पूरी दुनिया को एक बार फिर से चौंका दिया है। अब तक इजरायल ने ऐंटी-मिसाइल अटैक वाली आयरन डोम तकनीक या फिर बम बरसाने में ही महारत हासिल की थी, लेकिन इस बार उसने टेक्नोलॉजी वारफेयर के जरिए दुश्मन पर कहर बरपाया है। कुछ ही सेकेंड्स के अंदर पूरे लेबनान में करीब 5000 पेजर फट गए, जिनमें 9 लोगों की मौत हो गई और लगभग 2000 लोग जख्मी हो गए। यही नहीं बाद में वॉकी-टॉकी फटने से भी 14 लोगों की मौत हुई है। ये दोनों हमले लगातार दो दिनों के अंदर हुए हैं।

इन हमलों के बीच इजरायल की सीक्रेटिव यूनिट 8200 की चर्चा जोरों पर है। यह इजरायली सेना की इंटेलिजेंस यूनिट है, जिसे लेकर पश्चिमी देशों का कहना है कि उसने ही लेबनान में ये अटैक कराए हैं। अब तक इजरायल ने इन हमलों को लेकर चुप्पी ही बनाए रखी है, लेकिन पश्चिमी देशों और लेबनान को संदेह है कि इसे इजरायल की सीक्रेटिव यूनिट ने ही अंजाम दिया है। जानकारों का कहना है कि 5000 पेजरों पर एक साथ अटैक हुआ था और उनके अंदर करीब 3 ग्राम विस्फोटक रखा गया था।

एक पश्चिमी सुरक्षा सूत्र का कहना है कि यूनिट 8200 का ताल्लुक इजरायल की सेना से है। इसकी कमान मोसाद पर नहीं है। इसी ने हिजबुल्लाह पर इस तरह का भीषण तकनीकी हमला किया है। सूत्र ने कहा कि यूनिट 8200 ही लंबे समय से इसकी स्टडी कर रही थी कि कैसे इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज में विस्फोटक रखा जा सकता है। इजरायल की सेना ने अब तक इस मामले में कोई टिप्पणी नहीं की है। इसके अलावा पीएम ऑफिस की ओर से भी कुछ नहीं कहा गया है, जिसे मोसाद रिपोर्ट करती है। इजरायली डिफेंस ऐंड सिक्योरिटी फोरम के रिसर्च डायरेक्टर योसी कुपरवासर ने कहा कि यह साफ नहीं है कि हमले में मिलिट्री इंटेलिजेंस यूनिट शामिल थी। लेकिन उन्होंने कहा कि टीम 8200 के मेंबर इजरायली सेना के सबसे शार्प कमांडर होते हैं। इस यूनिट में युवा और खास सैनिकों को ही शामिल किया जाता है। इनकी जिम्मेदारी इंटेलिजेंस जुटाने की भी होती है। 2018 में इजरायल की इसी यूनिट ने इस्लामिक स्टेट के एक एयर अटैक को नेस्तनाबूद कर दिया था।

ड्यूटी में लापरवाही के चलते अलावलपुर चौकी प्रभारी निलंबित

कर्मियों के निलंबन पर विभागीय जांच शुरू, एसएसपी खख ने की पुष्टि

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

जालंधर ग्रामीण पुलिस ने जिले के विभिन्न पुलिस थानों में तैनात पांच कर्मियों को ड्यूटी में गंभीर चूक के कारण निलंबित कर दिया है। यह सख्त कदम बार-बार की गई सार्वजनिक शिकायतों के बाद उठाया गया है, जिसमें पुलिस द्वारा लापरवाही की बात सामने आई थी। विशेष रूप से अलावलपुर चौकी के अधिकार क्षेत्र में यह शिकायतें प्रमुख थी। निलंबित किए अधिकारियों में एएसआई अवतार सिंह, कांस्टेबल बिक्रमजीत सिंह, वरिष्ठ कांस्टेबल भूपिंदर सिंह, कांस्टेबल आर्यनप्रीत सिंह, और एएसआई/एलआर जसविंदर सिंह शामिल हैं, जो जिले के विभिन्न पुलिस थानों में तैनात थे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) हरकमल प्रीत सिंह खख ने कहा, "इन कर्मियों की ड्यूटी में चूक के चलते जनता में असंतोष और शिकायतों आई । विभाग ने सख्त कदम उठाते हुए इन पुलिसकर्मियों को निलंबित किया है। लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी और पुलिस की जवाबदेही सुनिश्चित की जाएगी।" अलावलपुर चौकी प्रभारी

एएसआई राजिंदर कुमार के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले की जांच में लापरवाही करने के आरोप में कार्रवाई की गई है। उन्होंने मामले में उचित प्रक्रिया का पालन नहीं किया, जिससे जांच में देरी और जनता में असंतोष प्रकट हुआ।

लोहियां थाने में तैनात एएसआई अवतार सिंह को पिपली गांव में एक भूमि विवाद की अनदेखी करने और हत्या के प्रयास के मामले को सही ढंग से न संभालने के लिए निलंबित किया गया। डीएसपी शाहकोट की जांच में वे दोषी पाए गए। उन्होंने समय रहते वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित नहीं किया और उचित कार्रवाई करने में विफल रहे। भोगपुर थाने में तैनात एएसआई जसविंदर सिंह को एक विवादित मामले में प्रतिद्वंद्वी पक्ष पर अनुचित दबाव डालने के लिए निलंबित किया गया, जिससे स्थिति और खराब हो गई। डीएसपी आदमपुर की जांच में उन्हें दोषी पाया गया। कांस्टेबल बिक्रमजीत सिंह, वरिष्ठ कांस्टेबल भूपिंदर सिंह, और कांस्टेबल आर्यनप्रीत सिंह को बार-बार ड्यूटी से अनुपस्थित रहने के कारण निलंबित किया गया है। कांस्टेबल आर्यनप्रीत सिंह पर गैंगस्टरों के साथ संबंध रखने का भी आरोप है, जिससे जनता में पुलिस के प्रति विश्वास को ठेस पहुँची है।

एसएसपी खख ने कहा, "ड्यूटी में लापरवाही करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। हम कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए वचनबद्ध हैं, और दोषी कर्मियों पर विभागीय जांच की जा रही है।"

कमिश्नरेट पुलिस ने शहर में चलाया विशेष अभियान, 105 वाहनों की जांच

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

कमिश्नरेट पुलिस जालंधर ने यातायात नियमों के उल्लंघन के खिलाफ विशेष अभियान चलाया, जिसमें काली फिल्म और अवैध हूटर वाले वाहनों पर ध्यान केंद्रित किया गया। अभियान की निगरानी हरजिंदर सिंह, पी.पी.एस, ए.सी.पी मॉडल टाउन, जालंधर ने दिनांक 18.09.2024 को शाम 6:00 बजे से रात 10:00 बजे तक की। मैनब्रो चौक और मॉडल टाउन मार्केट में नाकाबंदी और वाहन जांच की गई, जिससे तुरंत चालान किए गए।

अभियान के दौरान कुल 105 वाहनों की जांच की गई, जिसके परिणामस्वरूप उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की गई। इनमें से 12 वाहनों का चालान किया गया जिनमें से 8 वाहनों पर अवैध काली फिल्म, 2 दोपहिया वाहनों पर ट्रिपल राइडिंग और 2 लाल बत्ती जंपिंग के उल्लंघन के लिए थे।

डिप्टी कमिश्नर द्वारा वातावरण की संभाल के लिए नई पहल

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

जिले में फ़सलों के अवशेष जलाने के रुझान को रोकने के लिए डिप्टी कमिश्नर डा. हिमांशु अग्रवाल ने नई पहल करते ज़िला स्तरीय हेल्पलाइन की शुरुआत की, जिस पर फ़सलों के अवशेष को आग लगाने की घटनाओं के बारे में सूचना देने के इलावा पराली / फसल के अवशेष प्रबंधन में सहायता भी प्राप्त की जा सकती है। डिप्टी कमिशनर ने सम्बन्धित विभागों के साथ समीक्षा मीटिंग दौरान बताया कि लोक फ़सलों के अवशेष को आग लगने की घटनाओं संबंधी 0181- 2225005 पर सूचना दे सकते है और किसान इसी नंबर को डायल करके फ़सलों के अवशेष प्रबंधन के लिए तकनीकी सहायता ले सकते है। उन्होंने बताया कि यह हेल्पलाइन सप्ताह के सात दिन सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक चालू रहेगी। डा. अग्रवाल ने पराली/ फसलों के अवशेष जलाने विरुद्ध 'ज़ीरो- टालरैंस' नीति पर ज़ोर देते चेतावनी दी कि यदि कोई भी सरकारी कर्मचारी इस प्रकार की गतिविधियों में शामिल पाया गया तो उसे तुरंत निलंबन और विभागीय कार्यवाही का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने आगे कहा कि फ़सलों के अवशेष जलाने के प्रत्येक मामले में ज़िम्मेदारी तय की जाएगी और इस रुझान को रोकने के लिए अपनी ड्यूटी निभाने में असफल रहने वाले अधिकारियों विरुद्ध सख़्त कार्यवाही की जाएगी।

डिप्टी कमिश्नर ने आगे बताया कि फ़सलों के अवशेष प्रबंधन संबंधित 6,342 मशीनों की खरीद की जा चुकी है। इसके इलावा किसानों की मदद के लिए 200 से अधिक बेलरों का प्रबंधभीकियागयाहै। डा. अग्रवाल ने सब-डिविज़न स्तरीय समितियाँ को फ़सलों के अवशेष जलाने के बुरे प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए सक्रिय कदम उठाने की अपील की। उन्होंने 'वातावरण के रखवाले' पहलकदमी के बारे में भी बताया, जिसके अंतर्गत फ़सल के अवशेष को आग लगाने से गुरेज़ करने वाले किसानों को सम्मानित करने के साथ-साथ दफ़्तरों में सरकारी सेवाएं प्रदान करने में प्राथमिकता दी जाएगी। इसके इलावा ऐसी पंचायतों को 1 लाख रुपए के विकास कार्य दिए जाएंगे।

परमिटों की अवैध क्लबिंग विरूद्ध कड़ी कार्रवाई

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब के परिवहन मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने परिवहन क्षेत्र में नियमों के पालन और सभी को समान अवसर प्रदान करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए आज पंजाब मोटर वाहन नियम, 1989 के नियम 80-ए के तहत जारी किए गए सभी कंपोजिट परमिटों (सी.पी.) की व्यापक जांच के आदेश दिए हैं। यह कार्रवाई परिवहन क्षेत्र में स्टेज कैरेज परमिटों की अवैध क्लबिंग और उपयोग से संबंधित अनियमितताओं के मुद्दे हल करने के उद्देश्य से की गई है।

कई सी.पी. परमिटों के समूह की बजाय समान संख्या में वापसी यात्राओं सहित एक ही संयुक्त परमिट जारी करने के नियम का पालन करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए परिवहन मंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि नियम 80-ए का उल्लंघन करने वाले परमिटों की उचित कानूनी प्रक्रियाओं के माध्यम से डी-क्लबिंग की जाए और उनकी वास्तविक स्थिति बहाल की जाए।

डकैती और चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले गिरोह का भंडाफोड़

वाहन, मोबाइल व हथियार समेत तीन गिरफ्तार

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

पुलिस कमिश्नर स्वपन शर्मा के नेतृत्व में जालंधर कमिश्नरेट पुलिस ने चोरों और लुटेरों के एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है और तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ज्वाइंट सीपी संदीप शर्मा ने बताया कि पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर पटेल चौक जालंधर में जाल बिछाया था। चेकिंग के दौरान उन्हें विश्वस्त सूत्रों से जानकारी मिली कि शहर में चोरी और रंगदारी की वारदातों को अंजाम देने वाले विकास उर्फ काली, सौरव उर्फ साबी, तरूण बगानिया और ऋषि कुमार उर्फ ऋषि गांधी वनिता आश्रम के पास किसी का इंतजार कर रहे हैं। ज्वाइंट सीपी ने बताया कि पुलिस पार्टी ने कार्रवाई करते हुए विकास उर्फ काली, सौरव उर्फ साबी और ऋषि कुमार उर्फ ऋषि को गिरफ्तार कर लिया।

संदीप शर्मा ने बताया कि एफआईआर नंबर 97 दिनांक 18.09.2024 को धारा 303(2), 304(2), 3(5) के तहत, बाद में 317(2) बीएनएस जोड़कर पुलिस स्टेशन डिवीजन नंबर 2 जालंधर में दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया कि उनके पास से विभिन्न ब्रांडों के 15 मोबाइल फोन और एक दातर (चाकू) एक बिना नंबर की एक्टिवा बरामद की गई है। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पता चला है कि आरोपी शहर में लूट की कई वारदातों में शामिल थे।

प्लेसमेंट कैंप में 19 उम्मीदवार नौकरियों के लिए शार्टलिस्ट

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

ज़िला रोज़गार और कारोबार ब्यूरो द्वारा आज लगाए गए कैंप दौरान 19 उम्मीदवार रोज़गार के लिए शार्टलिस्ट किए गए। ज़िला रोज़गार उत्पति, कौशल विकास और प्रशिक्षण ब्यूरो के डिप्टी डायरैक्टर नीलम महे ने बताया कि प्लेसमैंट कैंप ब्यूरो के दफ़्तर में लगाया गया, जिसमें ज़ूम शूअज़ प्राईवेट लिमिटड, एच.डी. बी. फायनैंस और पे.टी.एम. प्राइवेट लिमिटड कंपनियों ने शिरकत की और 29 उम्मीदवारों ने भाग लिया। इनमें से 19 उम्मीदवार अलग- अलग नौकरियों के लिए शार्टलिस्ट किए गए।

डिप्टी डायरैक्टर ने युवाओं को रोज़गार के और अधिक अवसरों के लिए ज़िला रोज़गार और कारोबार ब्यूरो द्वारा लगाए जाते कैंपों में बढ़- चढ़ कर भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि और ज्यादा जानकारी के लिए दफ़्तर के हेल्पलाइन नंबर 90569- 20100 पर संपर्क किया जा सकता है।

अब पंजाब में बनेंगे लग्जरी कार कंपनी बीएमडब्ल्यू के पार्ट्स

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

प्रदेश में निवेश की गति को जारी रखते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज मॉडर्न ऑटोमोटिव्स लिमिटेड को प्रदेश में अपने प्रोजेक्ट का विस्तार करने और लग्जरी कार निर्माता कंपनी बीएमडब्ल्यू के अहम पार्ट्स बनाने में पूर्ण सहयोग और मदद का भरोसा दिया।

मॉडर्न ऑटोमोटिव्स लिमिटेड के प्रतिनिधियों आदित्य गोयल, सुहेल गोयल और मनीष बग्गा ने आज मुख्यमंत्री से मुलाकात की। बैठक के दौरान उन्होंने बताया कि मॉडर्न ऑटोमोटिव्स देश की पहली कंपनी है जिसे जर्मनी की लग्जरी कार निर्माता कंपनी बीएमडब्ल्यू ए.जी. म्यूनिख द्वारा पिनियन शाफ्ट की डिलीवरी के लिए मंजूरी प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि 150 करोड़ रुपए की लागत वाले 25 लाख यूनिट्स के लिए ऑर्डर की पुष्टि हो चुकी है। उन्होंने यह भी बताया कि विकास और परीक्षण के लिए सैकड़ों करोड़ रुपए के निवेश वाले मॉडल शामिल किए जाएंगे। यह पूरा काम एक ही स्थान पर होगा, जिससे अतिरिक्त उत्पादन इकाइयां जोड़ी जाएंगी और इससे न केवल और अधिक राजस्व आएगा बल्कि रोजगार के कई अवसर भी पैदा होंगे।

निवेश कंपनी को भविष्य की योजनाओं के लिए पूर्ण समर्थन और सहयोग का आश्वासन देते हुए मुख्यमंत्री ने अगले महीने प्लांट की नींव रखने के लिए प्रतिनिधिमंडल से मिले निमंत्रण को स्वीकार कर लिया।

पराली प्रबंधन को लेकर डिप्टी कमिश्नर ने की समीक्षा बैठक

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर

जिले में पराली जलाने की घटनाओं को रोकने और इसके सुचारू प्रबंधन के लिए डिप्टी कमिश्नर कोमल मित्तल ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर स्थिति की समीक्षा की। बैठक में पराली प्रबंधन के लिए उपलब्ध मशीनरी, किसानों को दी गई सहायता और ब्लॉक स्तर पर मशीनों की उपलब्धता पर चर्चा की गई। डिप्टी कमिश्नर ने इस बात पर जोर दिया कि कृषि और सहकारिता विभाग के पास उपलब्ध मशीनों को प्राथमिकता के आधार पर छोटे और सीमांत किसानों तक पहुंचाया जाए, ताकि वे पराली का उचित प्रबंधन कर सकें। इस मौके पर उनके साथ एस.एस.पी सुरेंद्र लांबा भी मौजूद थे।

डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि जिले के विभिन्न गांवों में अब तक 2,651 मशीनें किसानों को सब्सिडी पर उपलब्ध कराई गई हैं। इस वर्ष भी नई आवेदनों के आधार पर स्वीकृतियां जारी की गई हैं, ताकि किसान इन मशीनों का उपयोग करके बेहतर तरीके से पराली प्रबंधन कर सकें। पराली को औद्योगिक इकाइयों में खपत के लिए इस्तेमाल किए जाने के प्लान पर भी चर्चा की गई। डिप्टी कमिश्नर ने कृषि विभाग को निर्देश दिया कि वह अधिक से अधिक प्रचार के लिए गांव-स्तरीय जागरूकता शिविर आयोजित करें।

कमिश्नरेट पुलिस ने वकील के घर पर हुई फायरिंग की घटना के रहस्य से पर्दा उठाया

संपत्ति विवाद के चलते रची गई साजिश में विदेशी हाथ शामिल

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

पुलिस कमिश्नर स्वप्न शर्मा के नेतृत्व में जालंधर पुलिस कमिश्नरेट ने वकील के घर पर हुई फायरिंग की घटना के रहस्य से पर्दा उठाया है। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि एडवोकेट गुरमोहन सिंह के घर पर 8 सितंबर को फायरिंग हुई थी। उन्होंने बताया कि एफआईआर नंबर 148 दिनांक 12-09-2024 धारा 109, 3(5) बीएनएस, 25 आर्म्स एक्ट के तहत थाना बस्ती बावा खेल जालंधर में दर्ज की गई थी। श्री स्वप्न शर्मा ने बताया कि पुलिस ने घटना के पीछे के दोषियों को गिरफ्तार कर लिया है और उनके पास से हथियार, कारतूस, एक मोटरसाइकिल और नकदी बरामद की गई है।

उन्होंने बताया कि जांच के दौरान, वर्तमान में ब्रैम्पटन, कनाडा में रहने वाले गुरपाल सिंह उर्फ गोपा की पहचान शूटिंग के पीछे के मास्टरमाइंड के रूप में हुई है। उन्होंने कहा कि शुभम उर्फ शुभा के करीबी गुरपाल सिंह ने हमले की साजिश रची थी और गोलीबारी में इस्तेमाल कारतूस जालंधर में शुभम के अनुरोध पर जितेंद्र उर्फ भोलू ने ध्रुव और पवन को मुहैया कराए थे। श्री स्वप्न शर्मा ने कहा कि गोलीबारी के पीछे का मकसद संपत्ति विवाद से जुड़ा हुआ था। पुलिस आयुक्त ने कहा कि अमरप्रीत सिंह औलख, जो पहले निस्वांत दुसाज से विवाहित थे, ने 3 ½ एकड़ जमीन की बहाली के लिए याचिका दायर की थी, जो उनके और उनके ससुर रघवीर सिंह दुसाज के बीच हुए समझौते का हिस्सा थी।

केंद्रीय वित्त मंत्री ने एनपीएस वात्सल्य योजना का शुभारंभ किया

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में एनपीएस वात्सल्य योजना का शुभारंभ किया। नई दिल्ली में लॉन्च के भाग के रूप में, एनपीएस वात्सल्य कार्यक्रम पूरे देश में लगभग 75 स्थानों पर एक साथ आयोजित किए गए, जो वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े। चंडीगढ़ में यह कार्यक्रम आज दो स्थानों, सेक्टर 18 के न्यू पब्लिक स्कूल और सेक्टर 28 के सरकारी आईटीआई कॉलेज में आयोजित किया गया, जहां छात्र वर्चुअल मोड के माध्यम से दिल्ली से लाइव कार्यक्रम में शामिल हुए। चूंकि यह कार्यक्रम बच्चों पर केंद्रित था, इसलिए कार्यक्रम से पहले बच्चों को जोड़ने के लिए एक जादू शो और एक नुक्कड़ नाटक भी आयोजित किया गया।

वरिष्ठ प्रबंधक, पीयूष वालिया ने सेक्टर 18 के न्यू पब्लिक स्कूल में पंजाब नेशनल बैंक, चंडीगढ़ के लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर कार्यालय से कार्यक्रम की सुविधा प्रदान की और चंडीगढ़ के मुख्य लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर हरि सिंह गुमरा ने सेक्टर 28, चंडीगढ़ में सरकारी आईटीआई कॉलेज में कार्यक्रम के सीधे प्रसारण की व्यवस्था की।

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' भारत के लोकतंत्र पर खुला हमला : बाजवा

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

एक राष्ट्र, एक चुनाव (ओएनओई) प्रस्ताव को मंजूरी देना अपनी भारी विफलताओं को छिपाने का एक और हताश प्रयास है। कृषि कानूनों को अपमानजनक तरीके से वापस लेने की तरह ओएनओई का भी यही हश्र होगा। भारत के लोग खासकर पंजाब के लोग जो लोकतंत्र और क्षेत्रीय स्वायत्तता को बहुत महत्व देते हैं, इस गलत योजना को अस्वीकार कर देंगे। पंजाब के विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने कहा यह लापरवाह प्रस्ताव न केवल हमारे देश के संवैधानिक स्तंभों को नष्ट करता है, बल्कि इसका उल्टा असर भी होगा, जिससे भाजपा को एक और शर्मनाक यू-टर्न लेने पर मजबूर होना पड़ेगा।

देश के ज्वलंत मुद्दों- बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई और ढहते बुनियादी ढांचे- को संबोधित करने के बजाय मोदी सरकार इस बेतुकी योजना को आगे बढ़ा रही है, जिसे चुनाव आयोग खुद कुछ राज्यों में छोटे पैमाने पर प्रबंधित करने के लिए संघर्ष कर रहा है। बाजवा ने कहा कि भारत के लोग इस भटकाव से अनजान नहीं हैं और कांग्रेस पार्टी यह सुनिश्चित करेगी कि इस प्रतिगामी कदम को हराया जाए।

बाजवा ने ओएनओई प्रस्ताव की आलोचना करते हुए कहा कि यह भारत के संसदीय लोकतंत्र के मूल तत्व- जवाबदेही पर सीधा हमला है। लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और स्थानीय निकायों सहित कई स्तरों पर चुनाव सुनिश्चित करते हैं कि सरकारें हर समय लोगों के प्रति जवाबदेह रहें।

सिंगल यूज प्लास्टिक की रोकथाम के लिए फूड स्ट्रीट पर चेकिंग अभियान

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर

कमिश्नर नगर निगम डॉ. अमनदीप कौर ने जानकारी देते हुए बताया कि सरकार के निर्देशानुसार 14 सितंबर 2024 से 2 अक्टूबर 2024 तक 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के तहत विभिन्न सफाई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस अभियान के तहत रोजाना अलग-अलग सफाई संबंधी गतिविधियां सुनिश्चित की गई हैं। कमिश्नर नगर निगम ने बताया कि इसी कड़ी में आज 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के तीसरे दिन शहर की समस्त फूड स्ट्रीट्स पर सिंगल यूज प्लास्टिक की चेकिंग की गई। इस दौरान फास्ट फूड विक्रेताओं को सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने के संबंध में जागरूक किया गया। साथ ही इन फूड स्ट्रीट्स पर सफाई अभियान भी चलाया गया और समस्त स्थानों की सफाई करवाई गई। डा. अमनदीप कौर ने शहरवासियों से अपील की है कि वे होशियारपुर शहर को स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त बनाने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न किया जाए और विक्रेताओं द्वारा इसकी बिक्री पर पूर्ण रूप से रोक लगाई जाए, ताकि शहर को प्रदूषण मुक्त और स्वच्छ बनाया जा सके।

पहले दिन भारत ने बनाए 339 रन, अश्विन का शतक

अच्छी नहीं रही दूसरे सेशन की शुरूआत, यशस्वी जायसवाल ने जड़ी फिफ्टी

फोटो-बीसीसीआई

स्पोर्ट्स डेस्क. भारत और बांग्लादेश के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज 19 सितंबर से हो चुका है। जहां भारत ने टॉस गंवा कर पहले बल्लेबाजी करते हुए पहले दिन 6 विकेट के नुकसान पर 339 रन बनाए। रविंद्र जडेजा और आर अश्विन के बीच हुई शतकीय साझेदारी की बदौलत भारतीय टीम 300 के पार पहुंचने में कामयाब हुई। दिन का खेल खत्म होने तक अश्विन (102) और जडेजा (86 रन) बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। भारत के तीन खिलाड़ियों ने पहले दिन अर्धशतक बनाया, वहीं बांग्लादेश की ओर से हसन महमूद ने सबसे ज्यादा 4 विकेट अपने नाम किए। चेन्नई टेस्ट के पहले दिन का पहला और दूसरा सेशन भारत के लिए अच्छा नहीं रहा। टीम ने रोहित शर्मा (6), शुभमन गिल (0), विराट कोहली (6) के रूप में तीन विकेट 88 के स्कोर पर गंवाए। दूसरे सेशन की शुरुआत भी भारत के लिए अच्छी नहीं रही।

हसन महमूद ने ऋषभ पंत के रूप में अपना चौथा विकेट चटकाया। पंत ने इस दौरान 39 रन बनाए। वहीं, यशस्वी जायसवाल ने अपनी फिफ्टी जड़ी लेकिन जायसवाल के रूप में भारत को 5वां झटका लगा। उन्होंने 56 रन बनाकर आउट हुए। जायसवाल के पीछे-पीछे केएल राहुल भी 16 रन बनाकर पवेलियन लौटे। रविंद्र जडेजा और अश्विन क्रीज पर मौजूद हैं। दोनों के बीच शतकीय साझेदारी हुई। अश्विन ने 108 गेंद में शतक जड़ दिया।

घरेलू हिंसा पीड़ितों की पहचान व उनकी सहायता के लिए 'सांझ राहत प्रोजेक्ट' की शुरुआत

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

घरेलू हिंसा से प्रभावित महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने गुरुवार को घरेलू हिंसा के पीड़ितों की पहचान करने और सहायता के लिए 'सांझ राहत प्रोजेक्ट' की शुरुआत की। इस परियोजना का उद्देश्य घरेलू हिंसा के पीड़ितों को आवश्यक मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और कानूनी सहायता प्रदान करना और उन्हें हिंसा मुक्त जीवन जीने के लिए सक्षम बनाना है। यह परियोजना पीड़ितों को उनके जीवन से संबंधित निर्णय लेने के लिए आवश्यक संसाधन और सेवाओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह परियोजना पंजाब पुलिस के कम्युनिटी अफेयर्स डिवीजन (सीएडी) और 'नई शुरुआत', जो कि महिलाओं के सशक्तिकरण पर केंद्रित एक इंदौर स्थित एनजीओ है, के बीच एक साझेदारी है। इसके प्रमुख भागीदारों में स्वास्थ्य विभाग, सामाजिक सुरक्षा और महिला एवं बाल विकास विभाग, राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण और जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण शामिल हैं। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, पंजाब के सचिव कुमार राहुल ने इस मौके पर विशेष अतिथि के रूप में शिरकत की। स्पेशल डीजीपी, कम्युनिटी अफेयर्स डिवीजन और महिला मामलों की गुरप्रीत कौर दियो ने मेहमानों का स्वागत किया और इस पहल के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.